राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

बाल–कल्याण की योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के जरिये भारत के भविष्य को सँवारा जा सकता है–राज्यपाल

पटना, 22 नवम्बर 2018

''बाल कल्याण की योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से भारत के भविष्य को सँवारा जा सकता है। आज के बच्चे प्रतिभासम्पन्न और बेहद गुणी हो रहे हैं। जरूरत है उनकी प्रतिभा को निखारकर उसका सदुपयोग करने की। बच्चों में पर्यावरण–संतुलन और स्वच्छता के प्रति जागृति पैदा कर हम आधुनिक भारत के भविष्य का नव–निर्माण कर सकते हैं।''–उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन परिसर स्थित राजेन्द्र मंडप में 'बाल दिवस' के अवसर पर आयोजित बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुरस्कार–वितरण समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि 'बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद्' के तत्त्वावधान में 'बाल–दिवस' पखवारे के अन्तर्गत विभिन्न समूहों में सांस्कृतिक एवं पेन्टिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया था, जिसमें काफी प्रतिभाशाली बच्चों ने भाग लिया। राज्यपाल ने सफल प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत भी किया।

राज्यपाल ने समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अब समय काफी तेजी से बदल रहा है। 'बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ' के संदेश से प्रेरणा ग्रहण कर भारतीय समाज ने कन्याओं के प्रति अपने दृष्टिगोचर में बहुत हद तक सकारात्मक बदलाव लाया है। राज्यपाल ने कहा कि वे विश्वविद्यालयों या जिस किसी भी शिक्षण संस्था के समारोह में आजकल जा रहे हैं, हर जगह छात्राएँ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक क्षेत्र एवं सेवा में लड़कियों का प्रदर्शन अव्वल पाया जा रहा है। वे कुशल डॉक्टर बन रही हैं, शिक्षक बन रही हैं, इंजीनियर और वैज्ञानिक बन रही हैं, जहाजें उड़ा रही हैं, पर्वतों और ग्रहों की सैर कर रही हैं तथा खेलकूद–कला–संगीत की दुनियाँ में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि बेटों को भी समुचित रूप से संस्कार प्रदान करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए अभिप्रेरित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज सम्पन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान 'किलकारी' संस्था एवं अन्य स्कूलों के बच्चे–बच्चियों ने पर्यावरण–संतुलन, दहेज–उन्मूलन, भ्रूण–परीक्षण की दुष्प्रवृत्ति के निवारण, कन्या–शिक्षा, स्वच्छता–अभियान आदि पर आधारित मार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर जन–चेतना विकसित करने का सराहनीय काम किया है। राज्यपाल ने कहा कि मौसम के बिगड़ते मिजाज को देखते हुए 'वृक्षारोपण अभियान' चलाकर हमें हरित–आवरण बढ़ाने का भरपूर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सभी बच्चों एवं उनके अभिभावकों से एक–एक वृक्ष लगाने की भी अपील की। राज्यपाल ने कहा कि परिषद् पटना में बाल भवन के निर्माण की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

राज्यपाल ने अपने अत्यन्त भावपूर्ण संबोधन के दौरान कहा कि 'बच्चों के बीच आकर मुझे भी अपना बचपन याद आ रहा है, जब हम भी अपने विद्यालयों में सांस्कृतिक आयोजनों में भाग लेते थे।'

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने कन्या–भ्रूण को नष्ट करने की हिंसक और क्रूर मानसिकता को मानवता के लिए कलंक बताते हुए कहा कि इसके लिए कानूनी दंड का तो प्रावधान है ही, किन्तु दरअसल यह मनुष्यता और संवेदनशीलता के क्षरण को प्रतीकित करनेवाली मनोवृत्ति है।

राज्यपाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाली संस्थाओं एवं उनके बच्चों को पुरस्कृत भी किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री टंडन ने सांस्कृतिक–कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'किलकारी' को प्रथम, बाल्डवीन एकेडमी, बोरिंग रोड को द्वितीय तथा राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के बच्चों को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया। इन्टरनेशनल हाई स्कूल, पटना के बच्चों को सान्त्वना पुरस्कार मिला।

'पेंटिंग प्रतियोगिता' के अन्तर्गत 5–9 उम्र –समूह में डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल बी०एस०ई०बी० कॉलोनी, पटना की प्राची झा को, 10–16 उम्र–समूह में डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल कैन्ट रोड, खगौल के ऋषि कुमार को, 5–10 उम्र वर्ग में दिव्यांग बच्चों में रवि कुमार (आशादीप) को, कन्या–समूह में वैष्णवी अनुष्का (डे–केयर) को, 11–18 उम्र वर्ग में कुलदीप कुमार (आशादीप) एवं अंकिता आनंद (उमंग बाल विकास) को प्रथम पुरस्कार राज्यपाल द्वारा प्रदान किए गये। समारोह में लगभग तीन दर्जन अन्य बच्चों को भी द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद् के उपाध्यक्ष श्री अजित कुमार सिंह सहित राज्यपाल सचिवालय के सभी वरीय अधिकारी, परिषद् के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी–सदस्य आदि उपस्थित थे।

....